उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास **(Assignment)** **2020-2021**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

सेमेस्टर पद्धति (प्रथम सेमेस्टर)

विषय – संस्कृत
Subject : Sanskrit

विषय कोड : यू.जी.एस.टी
Subject Code : UGST

कोर्स शीर्षक : अभिज्ञान शाकुन्तलम् एवं नीतिशतकम्
कोर्स कोडः यू0जी0एस0टी0 101
Course Title :

Course Code : UGST-101

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्न श्लोकों का हिन्दी मे अनुवाद कीजिए – 6

(क) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।।

(ख) शमप्रधानेषु तपोधनेषु
गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः।
स्पर्शानुकूला इव सूर्यकान्ता–
स्तदन्यतेजोऽभिभवाद् वमन्ति।।

प्रश्न–2 अधोलिखित दो श्लोकों की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

क) कामं प्रिया न सुलभा मनस्तु तद्भावदर्शनाश्वासि।
अकृतार्थेऽपि मनसिजे रतिमुभयप्रार्थना कुरुते।।

ख) परिग्रहबहुत्वेऽपि द्वे प्रतिष्ठे कुलस्य मे।
समुद्ररसना चोर्वी सखी च युवयोरियम्।।

प्रश्न–3 निम्नलिखित सूक्तियों की व्याख्या कीजिए – 6

(क) सतां हि संदेहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः।
(ख) भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 भर्तृहरि के जीवनवृत्त एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–5 अधोलिखित मे से किसी दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये – 2
i) सूत्रधार ii) विदूषक iii) अपवारित

प्रश्न–6 नीतिशतक के किसी एक श्लोक को लिखकर उसका भावार्थ समझाइए। 2

प्रश्न–7 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 2

प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः।
प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारब्धमुत्तमजनाः न परित्यजन्ति।।

प्रश्न–8 भर्तृहरि ने विद्या के विषय में क्या कहा है ? 2

प्रश्न–9 अभिज्ञानशाकुन्तल का कोई एक श्लोक, जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो, लिख कर उसमें प्रयुक्त अलंकार तथा छन्द बताइए।

द्वितीय सेमेस्टर
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2020-2021**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत **विषय कोड : यू.जी.एस.टी**
Subject : Sanskrit **Subject Code : UGST**
कोर्स शीर्षक : उत्तररामचरितम् (तृतीय अंकपर्यन्त) छन्दोऽलंकार मंजूषा **कोर्स कोड : यू0जी0एस0टी0 102**
Course Title : **Course Code : UGST-102**

अधिकतम अंक : 30
MaximumMarks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

क) एतानि तानि गिरिनिर्झरिणीतटेषु
वैखानसाश्रितरूणि तपोवनानि।
येष्वातिथेयपरमाः शमिनो भजन्ते,
नीवारमुष्टिपचना गृहिणो गृहाणि ।।

ख) यथेच्छंभोग्यं वो वनमिदमयं में सुदिवसः
सतां सद्भिः सङ्गः कथमपि हि पुण्येन भवति।
तरुच्छाया तोयं यदपि तपनो योग्यमशनं
फलं वा मूल वा तदपि न पराधीनमिह वः।।

प्रश्न–2 निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

i. लौकिकानां हि साधूनामर्थ वागनुवर्तते।
ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति।।

अथवा

ii. ब्रह्मादयो ब्रह्महिताय तप्त्वा
परःसहस्त्राः शरदस्तपांसि।
एतान्यपश्यन्गुरवः पुराणाः
स्वान्येव तेजांसि तपोमयानि।

प्रश्न–3 महाकवि भवभूति के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए। 6

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 निम्नलिखित सूक्तियों की हिन्दी में व्याख्या कीजिए – 2

क) यथा स्त्रीणां तथा वाचां साधुत्वे दुर्जनो जनः।

ख) पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करूणो रसः।

प्रश्न–5 अधोलिखित में से किसी दो अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए – 2

श्लेष, अनुप्रास, अतिशयोक्ति, उपमा

प्रश्न–6 अद्योलिखित में से किसी दो छन्द का लक्षण स्पष्ट कीजिए।। 2

अनुष्टुप, वशस्थ, इन्द्रवज्रा, स्नग्घरा, विखरणी।

प्रश्न–7 नायक के भेद स्पष्ट करते हुए, उत्तररामचरित नाटक के नायक की कोटि स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न–8 निम्नलिखित श्लोक का संन्दर्भ सहित हिन्दी में अर्थ बताइए। 2

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि
लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति।।

प्रश्न–9 'उत्तररामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते' –की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 2